अफ्रीकन स्वाइन फीवर और पिग्मी हॉग

जर्नल साइंस (Science) में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, अफ्रीकी स्वाइन फीवर विश्व के सबसे दुर्लभ एवं छोटे सूअर पिग्मी हॉग की आबादी को घातक रूप से प्रभावित कर सकता है।

- वर्ष 2018 में चीन में आगमन के बाद से ही इस बीमारी ने पूरे एशिया में पॉर्सिन (सूअरों से संबंधित) आबादी को पहले ही खत्म कर दिया है।

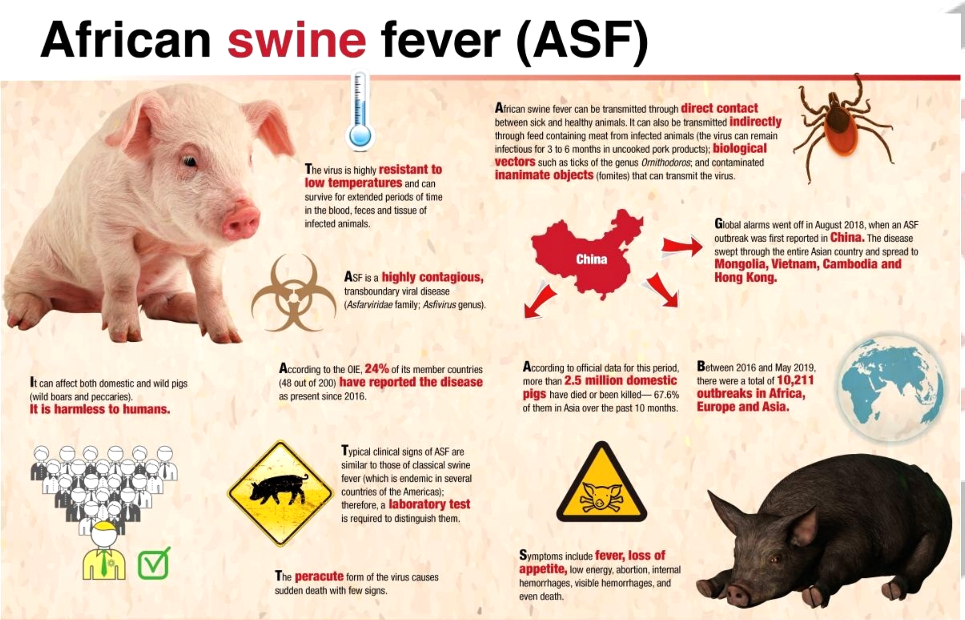

African swine fever (ASF)

The virus is highly **resistant to low temperatures** and can survive for extended periods of time in the blood, feces and tissue of infected animals.

African swine fever can be transmitted through **direct contact** between sick and healthy animals. It can also be transmitted **indirectly** through feed containing meat from infected animals (the virus can remain infectious for 3 to 6 months in uncooked pork products); **biological vectors** such as ticks of the genus *Ornithodoros*; and contaminated **inanimate objects** (fomites) that can transmit the virus.

ASF is a **highly contagious,** transboundary viral disease (*Asfarviridae* family; *Asfivirus* genus).

Global alarms went off in August 2018, when an ASF outbreak was first reported in **China.** The disease swept through the entire Asian country and spread to **Mongolia, Vietnam, Cambodia and Hong Kong.**

It can affect both domestic and wild pigs (wild boars and peccaries). **It is harmless to humans.**

According to the OIE, **24%** of its member countries (48 out of 200) **have reported the disease** as present since 2016.

According to official data for this period, more than **2.5 million domestic pigs** have died or been killed— 67.6% of them in Asia over the past 10 months.

Between 2016 and May 2019, there were a total of **10,211 outbreaks in Africa, Europe and Asia.**

Typical clinical signs of ASF are similar to those of classical swine fever (which is endemic in several countries of the Americas); therefore, a **laboratory test** is required to distinguish them.

The **peracute** form of the virus causes sudden death with few signs.

Symptoms include **fever, loss of appetite,** low energy, abortion, internal hemorrhages, visible hemorrhages, and even death.

नोट:

- यह पहली **बार वर्ष 1920 के दशक में अफ्रीका में** पाया गया था; यह बीमारी **पूरे अफ्रीका, एशिया और यूरोप** के घरेलू एवं जंगली दोनों प्रकार के सूअरों में दर्ज की गई है।
- इसके कारण होने वाली **मृत्यु दर लगभग 95% से 100%** है और चूँकि इस बुखार का कोई इलाज नहीं है ऐसे में **इसके प्रसार को रोकने का एकमात्र तरीका पशुओं को मार देना (Culling)** है।
- ASF **विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (OIE)** के **स्थलीय पशु स्वास्थ्य कोड** (Terrestrial Animal Health Code) में सूचीबद्ध एक बीमारी है।

पिग्मी हॉग की विशेषताएँ

- **वैज्ञानिक नाम:**
    - पोर्कुला साल्वेनिया (Porcula Salvania)
- **विशेषताएँ:**
    - यह उन गिने-चुने स्तनधारियों में से एक है जो एक 'छत' के साथ अपना घर या घोंसला बनाते हैं।
    - यह एक संकेतक प्रजाति भी है। इनकी उपस्थिति इसके प्राथमिक आवास, क्षेत्र, गीले घास के मैदानों के स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शाती है।

- **आवास:**
  - ये आर्द्र घास के मैदान में पाए जाते हैं।
  - पूर्व में हिमालय की तलहटी- नेपाल के तराई क्षेत्रों और बंगाल के दुआर क्षेत्रों से होते हुए उत्तर प्रदेश से असम तक- में लंबे और गीले घास के मैदानों की एक संकीर्ण पट्टी में पाए जाते थे।
    - **वर्तमान में ये केवल भारत (असम) में पाए जाते हैं।**
- **संरक्षण स्थिति:**
  - अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट: संकटग्रस्त (Endangered)
  - **वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES):** परिशिष्ट I (Appendix I)
  - **भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972**: अनुसूची-I **(Schedule I)**
- **खतरा:**
  - पर्यावास (घास का मैदान) का नष्ट होना
  - अवैध शिकार
- **संरक्षण प्रयास - पिग्मी हॉग संरक्षण कार्यक्रम 1995:**
  - विलुप्त माने जाने के बाद वर्ष 1971 में इसे फिर से खोजा गया। वर्ष 1995 में यूनाइटेड किंगडम के **ड्यूरेल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन ट्रस्ट, IUCN, असम वन विभाग एवं MoEF&CC ने पिग्मी हॉग संरक्षण कार्यक्रम** शुरू करने हेतु संयुक्त प्रयास किया।
    - यह वर्तमान में गैर सरकारी संगठनों आरण्यक और इकोसिस्टम्स इंडिया द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
  - वर्ष 2008 और 2022 के बीच, 152 को पिग्मी हॉग्स का असम के चार संरक्षित क्षेत्रों में पुनःप्रवेश कराया गया, जिसमें हाल ही में 36 पिग्मी हॉग्स का हाल ही में छोड़ा जाना भी शामिल है।
    - वर्ष 2011 और 2015 के बीच जानवरों को **ओरंग नेशनल पार्क** में फिर से लाया गया।
    - वर्ष 2025 तक PHCP मानस नेशनल पार्क में 60 पिग्मी हॉग्स को छोड़ने की योजना बना रहा है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रिलिम्स:

प्रश्न. निम्नलिखित पर विचार कीजिये: (2013)

1. तारा कछुआ
2. मॉनिटर छिपकली
3. वामन सूअर
4. स्पाइडर वानर

उपरोक्त में से कौन-से भारत में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

दृष्टि The Vision

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/african-swine-fever-and-pygmy-hogs